रजि. नं.: 49/भरत/रजि./2000-2001

स्थापित : 29 जून 2000
प्रकाशन तिथि : 30 सितम्बर 2025

"आश्रयहीन असहाय बीमार प्रभुजनों की सेवा ही हमारी पूजा एवं आराधना है"

25 सेवा के पथ पर...

साल का सफर...

रजत वर्ष विशेषांक

अपना घर आश्रम भरतपुर

(विश्व की अपनी श्रेणी की विशालतम सेवा स्थली)

आश्रम में भर्ती से पूर्व बदहाल
अवस्था में प्रभुजी सौरभ।

आश्रम में उपचार के दौरान
प्रभुजी सौरभ।

बेसुध अवस्था में
प्रभुजी श्रीमती रोता।

स्वस्थ होने के उपरान्त
प्रभुजी श्रीमती रोता।

अनुक्रमणिका

1	अपनों से अपनी बात	03
2	25 साल का सफर...	04
3	अपना घर की पाँच आधारभूत आस्थाएं	06
4	अपना घर की विचारधारा के मूल सूत्र	06
5	संस्था परिचय	07
6	संस्था के आश्रमों की श्रृंखला	09
7	अपना घर आश्रमों हेतु उपलब्ध कराये गये भवनों का विवरण	11
8	आश्रमों में प्रभुजी की आवासीय क्षमता एवं आवासरत प्रभुजन	13
9	प्रभुजी की संख्या - धर्मानुसार	15
10	प्रभुजी प्रवेश, विदाई एवं ब्रह्मलीन	17
11	आश्रमों की सेवाओं में प्रभुजनों की सहभागिता	18
12	समस्त आश्रमों में सेवासाथियों का विवरण	19
13	आश्रमों में सेवाऐं दे रहे स्वयंसेवक एवं सदस्य	21
14	संस्था का मॉनिटरिंग सिस्टम	22
15	आश्रमों में प्रभु सेवा में लगी एम्बुलेन्स एवं अन्य वाहन	24
16	संस्था की सेवाओं से जुड़ने हेतु प्रकल्पों का विवरण	25
17	अपना घर सेवा समितियाँ एवं हैल्पलाईन्स	26

अपना घर आश्रम भरतपुर

अनुक्रमणिका

1	भरतपुर आश्रम के आवासीय सदन एवं उनमें प्रभुजी की संख्या	27
2	गौशाला एवं जीव सेवा सदन में आवासरत जीवों का विवरण	29
3	आश्रम की मेडिकल व्यवस्थाएं	30
4	प्रभुजी पुनर्वास एवं प्रशिक्षण व्यवस्था	31
5	आश्रम में शिक्षण-प्रशिक्षण सम्बन्धी प्रकल्प	33
6	प्रभुजी की खुशियों के प्रकल्प	34
7	अपना घर के सेवा सम्बन्धी अन्य प्रकल्प	35
8	विचारधारा का अंगीकरण	37
9	अपना घर की तीर्थयात्रा	38
10	सेवाओं के प्रमुख सहभागी	39
11	आश्रम के विभिन्न भवन	40
12	पिछले 5 साल की संस्था की प्रगति का विवरण	
13	संस्था के आश्रमों की श्रृंखला	

अपनों से अपनी बात

प्रिय आत्मीयजन !

श्री हरिस्मरण एवं सादर वन्दे !

इस पुस्तक में अपना घर के 25 वर्ष के सफर को संकलित कर आपके समक्ष रखने का प्रयास किया गया है। अपना घर के सेवा कार्यों को भौतिक एवं दैवीय दो स्तर पर अनुभव किया जा सकता है। भौतिक स्तर पर होने वाले कार्यों का उल्लेख इस पुस्तक में किया गया है लेकिन दैवीय स्तर पर जो कुछ घटित हो रहा है उसे शब्दों या आंकड़ों में उल्लेखित नहीं किया जा सकता। अतः जो अलिखित है वह अपना घर की विचारधारा में दर्शित होगा, जिसमें भारतीय सेवा के मूल दर्शन का अनुभव किया जा सकता है।

सेवा के इसी दर्शन का परिणाम है कि जिन्हें लोग असहाय, लावारिस न जाने कितने ऐसे नामों से जानते थे आज लोग उन्हें प्रभुजी के नाम से पुकारते हैं। यहाँ प्रभुजनों के आवश्यक संसाधनों की चिट्ठी प्रतिदिन ठाकुर जी को लिखी जाती है तथा जितने संसाधनों की, जिस पल, जितनी मात्रा में, जिस स्थान पर जरूरत होती है, उसी पल, उतनी मात्रा में, उसी स्थान पर ठाकुरजी भेज देते हैं। इस विचारधारा के दर्शन से प्रेरित होकर देश और दुनियाँ के हजारों सेवाभावी निष्काम भाव व समर्पण के साथ इन ईश्वरीय सेवाओं में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

इस प्रकल्प को यहाँ तक लाने में हजारों कर्मयोगी, कर्मसाधक, कर्मनिष्ठ संस्था एवं आश्रम के पदाधिकारी, सेवासाथी एवं सहयोगियों का जीवन लगा है। इसी का परिणाम है कि आज अपना घर विश्व में अपनी श्रेणी की विशालतम सेवास्थली का रूप ले चुका है तथा देश के अधिकतर क्षेत्रों में ऐसे प्रभुजनों को रेस्क्यू कर उन्हें सेवाऐं प्रदान करने में सक्षम हो पा रहा है जो आश्रयहीन असहाय हालत में पीड़ा झेलने को मजबूर हैं।

इस सेवा मन्दिर के लिए कहा जाने लगा है कि जिन्हें ठाकुर जी के दर्शन करने हैं उन्हें अपने धर्म स्थल जाना पड़ेगा तथा जिन्हें उनकी लीला देखनी हो तो उन्हें अपना घर आश्रम आना होगा। अतः ठाकुरजी की इस लीला को देखने के लिए आप सादर आमन्त्रित हैं।

- अपना घर परिवार

25 साल का सफर...

इन 25 वर्षों में :-

❖ आश्रमों में प्रवेशित किये गये कुल प्रभुजी	:	65000+
❖ कुल पुनर्वासित प्रभुजी	:	36000+
❖ कुल ब्रह्मलीन प्रभुजी	:	12500+

वर्तमान में संस्था के

आश्रमों की श्रृंखला :-

❖ संस्था द्वारा संचालित आश्रम	:	67
❖ शाखा के रूप में	:	43
❖ सम्बद्ध आश्रम	:	24
❖ खुलने की प्रक्रिया में	:	7
❖ संस्था द्वारा संचालित समितियां	:	38
❖ संस्था द्वारा संचालित हैल्पलाईन	:	57

आश्रमों में प्रभुजी की कुल संख्या :- 15500+

❖ महिला प्रभुजी	:	5300 +
❖ पुरुष प्रभुजी	:	10,200 +
❖ बाल-गोपाल	:	300 +

आश्रमों में सेवाएं दे रहे प्रभुजी, स्वयंसेवक एवं सदस्य :-

❖ सेवाओं में जुटे कुल प्रभुजी	:	2109
❖ सेवाओं में जुटे कुल सेवासाथी	:	1458
❖ प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सेवाभावी	:	10 लाख से अधिक
❖ संस्था/आश्रमों से कुल जुड़े सदस्य	:	10 हजार से अधिक
❖ आश्रमों /समितियों से जुड़े स्वयंसेवक	:	400 से अधिक

संस्था का मौनिटरिंग सिस्टम :-

- सॉफ्टवेयर सैल
- एकाउन्ट
- सर्विस
- सेवा प्रमोशन टीम
- सेवा अपडेशन टीम
- वार्षिक सर्विस कलेण्डर

संस्था का वित्तीय विवरण :-

- वर्ष 2024-25 का संचालन व्यय : ₹ 50.02 करोड़
- वर्ष 2024-25 का कुल व्यय : ₹ 77.33 करोड़
- सम्बद्ध आश्रमों का व्यय : अतिरिक्त

कुल वाहनों की संख्या :-

- एम्बुलेंस : 94
- अन्य वाहन : 140

अपना घर आश्रम भरतपुर की विशेष व्यवस्थाएं :-

दैनिक सेवा निरीक्षण प्रपत्र :

- सेवासाथी प्रपत्र
- प्रभुजी प्रपत्र

आवासीय क्षमता :-

- 26 सदन माता-बहिनों के लिए
- 26 सदन मईया-दादा के लिए
- 04 सदन बाल गोपालों के लिए

गौशाला एवं जीव सेवा :-

- कुल गौवंश : 1760
- अन्य पशु-पक्षी : 10

मेडिकल व्यवस्थाएं :-

- लीलावती हॉस्पीटल
- डायग्नोस्टिक सेन्टर
- राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र
- डेन्टल यूनिट
- राजकीय पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र

प्रभुजी के लिए विशेष व्यवस्थाएं :-

- थियेटर 180 सीटर
- शोपिंग सेन्टर
- कैफेटेरिया
- स्प्रीचुअल पार्क
- उच्च प्राथमिक विद्यालय

अन्य व्यवस्थाएं :-

- गेस्ट हाउस
- कॉन्फ्रेस हॉल
- ट्रेनिंग सेन्टर
- स्वयंसेवक आवास
- वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम

अपना घर की पाँच आधारभूत आस्थाएं

- सेवा ही हमारा जीवन है।
- सेवा उपकार नहीं हमारा दायित्व है।
- सेवा ही हमारी पूजा एवं आराधना है।
- सेवा हमारे कल्याण का सुगम मार्ग है।
- प्रभु सेवा में जो भी संसाधन लगते हैं, वे प्रभुजी के ही होते हैं।

अपना घर की विचारधारा के मूल सूत्र

- संस्था के संसाधनों पर सबसे पहला हक उसका है जो सबसे अधिक जरूरतमन्द है।
- प्रत्येक जरूरतमन्द को आवश्यक रूप से हर परिस्थिति में प्रवेश दिया जाता है।
- अगर सेवा सच्ची है तो संसाधन स्वयं सेवा को ढूंढ लेते हैं।
- संसाधनों की कमी है तो इस बात का संकेत है कि हमारी पात्रता में कमी है। संसार में असीमित संसाधन है।
- कोई भी आश्रयहीन असहाय बीमार सेवा एवं संसाधनों के अभाव में तड़पता हुआ कहीं भी दम तोड़ने को मजबूर न हो।
- संसाधनों के लिए सीधे ठाकुरजी को चिट्ठी लिखी जाती है जिसे ठाकुरजी विभिन्न मानव स्वरूपों में आकर पूरा करते हैं।
- अगर कहीं सेवाभावी, सेवासाथी नहीं जुड रहे या संसाधन नहीं आ रहे तो हम अपनी भूल चूक जब तक ढूंढते रहें जब तक आवश्यकता की उपलब्धता हो।
- आवश्यक रूप से प्रभुजी का प्रवेश - अपना घर एक ऐसा संस्थान है जहाँ पर प्रभुजी को प्रवेश उपलब्ध संसाधनों के आधार पर न होकर प्रभुजी की जरूरतों के आधार पर किया जाता है। अतः आश्रम में कभी किसी की संसाधनों की कमी के आधार पर प्रवेश देने से वंचित नहीं किया जाता है तथा हर हाल में प्रभुजी को प्रवेश दिया जाता है।
- अगर सेवा सही है तो सेव्य के अन्दर सेवा का भाव जागृत हो जाता है, सेवा करने वाले को सकून मिल जाता है, सेवा देखने वाले के मन में करुणा का भाव आ जाता है एवं जिसके संसाधन लगते हैं उसके मन में और संसाधन लगाने का भाव जागृत हो जाता है।

संस्था परिचय

माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर संस्था भरतपुर, राजस्थान

किसी भी आश्रयहीन असहाय लावारिस बीमार को सेवा एवं संसाधनों के अभाव में वेदना दायक पीड़ा एवं असामयिक मृत्यु का शिकार होने से बचा सके, इसी परिकल्पना को साकार करने हेतु प्रयासरत :- माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर...

पीड़ित प्राणी मात्र की सेवा ही हमारी पूजा एवं आराधना है। सेवा उपकार नहीं हमारा दायित्व है। साथ ही जीवन के साथ हर प्राणी अपना भाग्य लेकर आता है। इस विचारधारा का शुभारम्भ दिनांक 29 जून 2000 को राजस्थान के जिला भरतपुर से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गाँव बझेरा, जिला भरतपुर में अपना घर के प्रथम आश्रम की स्थापना के साथ हुआ। अपना घर आश्रम एक ऐसा सेवा मंदिर है जहाँ सेवा को पूजा एवं मानव सेवा को माधव सेवा माना जाता है। इसी विचारधारा के अन्तर्गत अपना घर परिवार ऐसे आश्रहीन असहाय बीमार प्रभु स्वरूप पीड़ितों को अपनाता है जो जीवन के अंतिम पड़ाव में प्लेटफार्म, सार्वजनिक, धार्मिक स्थल एवं सड़कों के आस-पास पड़े वेदनाओं के अंतिम कष्टों को झेल रहे होते हैं। सेवा एवं संसाधनों के अभाव में इन बेजुबान एवं लाचारों को असीम गंदगी के साथ नारकीय जीवन जीने को मजबूर होना पड़ता है। इन दीनजनों के पास पीड़ा के समय में भूख के लिए भोजन, दर्द के लिए दवा, तन के लिए कपड़ा तो दूर की बात है जीवन के अंतिम समय में पानी तक नसीब नहीं होता है। उनकी चोट अथवा बीमारी उपचार के अभाव में गम्भीर रूप ले लेती हैं उनके घाव में अक्सर कीड़े पड़ जाते हैं और कई बार तो सेवा एवं दवाओं के अभाव में उनकी मृत्यु भी इतनी कष्टदायक होती है जिसे आम आदमी तो अपनी आँखों से देख भी नहीं सकता। ऐसे अनजान असहाय पीड़ितों को अपना घर परिवार द्वारा अपनाया जाता है तथा उन्हें जीवनयापन की सभी मूलभूत आवश्यकताओं से परिपूर्ण अपना घर उपलब्ध कराया जाता है जहाँ उन्हें सेवा के साथ-साथ निःशुल्क आश्रय, चिकित्सा, भोजन, वस्त्र, शिक्षा, सुरक्षा के साथ-साथ अपनापन एवं ममतामई सेवाएं उपलब्ध होती हैं।

वर्तमान में संस्था द्वारा देश के 12 राज्यों में कुल 66 आश्रमों की श्रृंखला संचालित हो रही है एवं एक अपना घर आश्रम काठमाण्डू नेपाल में भी संचालित है, जिसमें अपना घर आश्रम भरतपुर

प्रभुजनों की संख्या, विशिष्टता एवं विविधता की दृष्टि से विश्व का अपनी श्रेणी का विशालतम सेवा केन्द्र है जहाँ वर्तमान में 6700 से अधिक प्रभुजन एवं 2000 से अधिक गौमाता एवं अन्य जीव सेवाएं ले रहे हैं। संस्था को जहाँ पर भी देश में भवन मिल जाता है वहीं पर संस्था द्वारा अपना घर आश्रम का शुभारम्भ कर दिया जाता है तथा जहाँ पर 21 सदस्य मिल जाते हैं वहाँ पर अपना घर सेवा समिति का शुभारम्भ कर दिया जाता है। समितियाँ संस्था के रेफरल सेंटर के रूप में कार्य करती हैं तथा उस क्षेत्र में जो भी प्रभुजन मिलते हैं वहाँ से उन प्रभुजनों को नजदीकी अपना घर आश्रम में भेजने का कार्य करती हैं। अब संस्था की सेवाओं का विस्तार इस स्तर तक है कि लगभग देश के 90 प्रतिशत भाग में अगर कोई प्रभुजन आश्रयहीन, असहाय, लावारिस, बीमार हालत में पड़े हैं तो वहाँ से संस्था द्वारा उन प्रभुजनों को रेस्क्यू कराया जा सकता है अथवा किसी नजदीकी दूसरी संस्था, जो समान क्षेत्र में कार्य करती है वहाँ पर प्रवेश कराया जा सकता है।

जरूरत की पूर्ति के लिए लिखी जाती है ठाकुर जी को चिट्ठी :- संस्था के आश्रमों की श्रृंखला के सभी 67 आश्रमों में 15,500 से अधिक प्रभुजन सेवाएं ले रहे हैं। इन सभी आश्रमों का प्रतिदिन औसत व्यय 30 लाख रुपए से अधिक है। इन सभी की दैनिक आवश्यकताओं की चिट्ठी सुई से लेकर एम्बुलेंस, भोजन, भवन, वेतन, दवाई, आवास से लेकर जो भी आवश्यकता होती है सभी आवश्यकताओं की चिट्ठी प्रतिदिन ठाकुर जी को लिख दी जाती है, जिसे पूरा करने के लिए ठाकुर जी विभिन्न मानव स्वरूपों में आते हैं और आवश्यक समस्त जरूरतों को पूरा करते हैं। यह सिलसिला निर्बाध रूप से संस्था की स्थापना से लेकर आज तक जारी है।

संस्था के आश्रमों की श्रृंखला

अपना घर की विचारधारा है कि धरा पर कोई भी व्यक्ति आश्रयहीन असहाय बीमार हालत में तड़पता हुआ दम न तोड़े, इसी क्रम में संस्था द्वारा देश में जहाँ पर भी भवन एवं सेवाभावी मिलते हैं वहाँ पर अपना घर आश्रम का संचालन प्रारम्भ कर दिया जाता है तथा जहाँ पर समान विचारधारा के ऐसे साथी मिलते हैं जिनके पास भवन है तथा वह अपने स्तर पर अपना घर के मार्गदर्शन से सेवा करना चाहते हैं वहाँ पर सम्बद्ध शाखा के रूप में अपना घर आश्रम प्रारम्भ कर दिये जाते हैं। जिसके परिणाम स्वरुप वर्तमान में...

देश के 12 राज्यों में कुल आश्रम एवं हैल्पलाईन सेवा प्रकल्प	66 आश्रम 3 हैल्पलाईन
संस्था की शाखा के रूप में	43 आश्रम
सम्बद्ध शाखा के रूप में	23 आश्रम
विदेश में काठमाण्डु नेपाल में (सम्बद्ध)	1 आश्रम
प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन	7 आश्रम

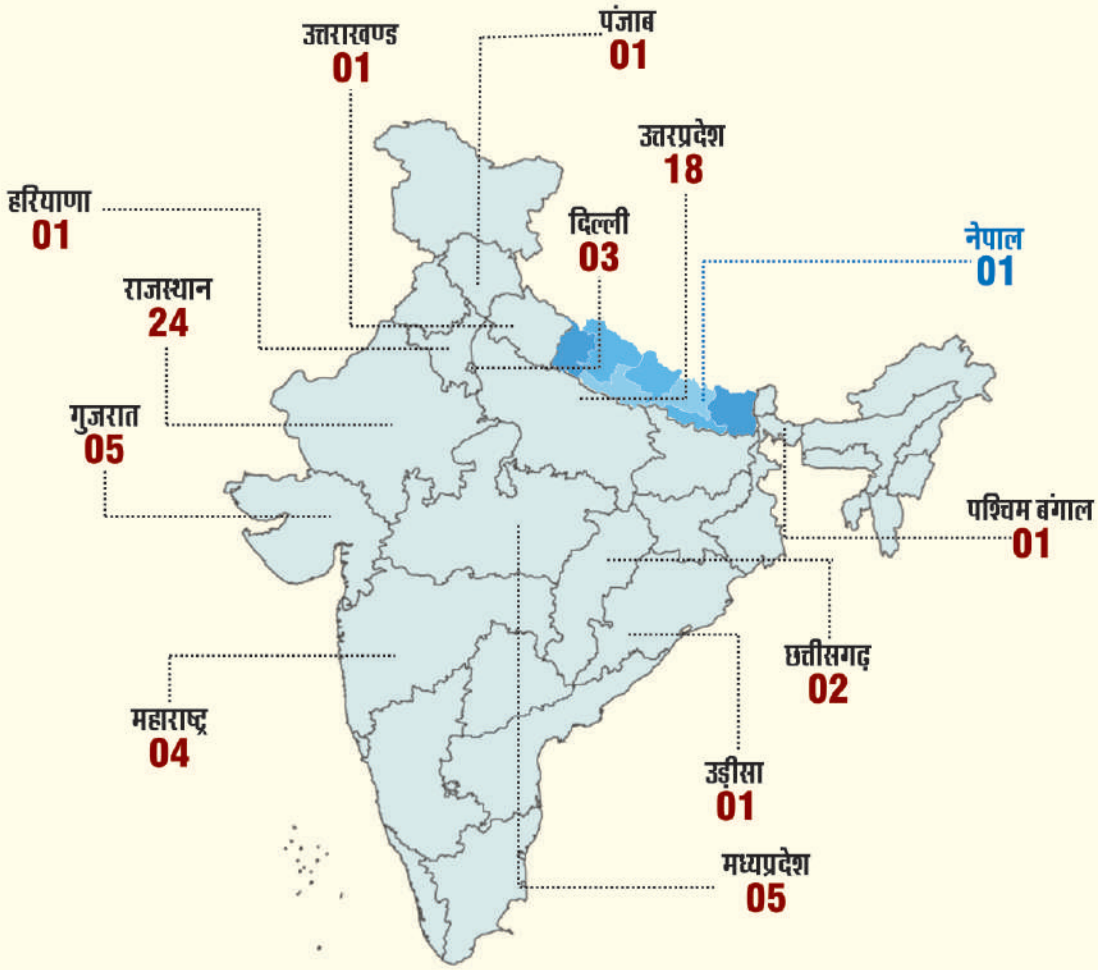

आश्रम में भर्ती से पूर्व बदहाल अवस्था में प्रभुजी खेमसिंह।

आश्रम में उपचार के दौरान प्रभुजी खेमसिंह।

बेसुध अवस्था में प्रभुजी श्रीमती पूनी बाई।

स्वस्थ होने के उपरान्त प्रभुजी श्रीमती पूनी बाई।

अपना घर आश्रमों हेतु उपलब्ध कराये गये भवनों का विवरण

सेवा विस्तार के क्रम में संस्था स्वयं के भवनों के साथ-साथ देश में जहाँ पर भी किसी भी सरकार, सामाजिक संगठन, धार्मिक संगठन एवं व्यक्तिगत स्तर पर भवन मिलता है वहाँ पर अपना घर की सेवाएं प्रारम्भ कर दी जाती हैं। संस्थान द्वारा वर्तमान में जिन-जिन आश्रमों का संचालन हो रहा है उनके भवनों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- संस्था के स्वयं के भवनों में संचालित आश्रम — 15
- राजस्थान सरकार द्वारा प्रदत्त भवनों में संचालित आश्रम — 5
- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त भवनों में संचालित आश्रम — 2
- व्यक्तिगत स्तर पर प्रदत्त भवनों में संचालित आश्रम — 6
- संस्थागत स्तर पर प्रदत्त भवनों में संचालित आश्रम — 12
- धार्मिक संगठनों द्वारा प्रदत्त भवनों में संचालित आश्रम — 3
- सम्बद्ध संचालित आश्रम भवन — 24

संस्था के अन्य सेवा प्रकल्प

1. **अपना घर हैल्पलाईन सेवा प्रकल्प भरतपुर :-**

इस प्रकल्प के अन्तर्गत भरतपुर शहर में अतिनिर्धन बालिकाओं के लिए कम्प्यूटर प्रशिक्षण, सिलाई प्रशिक्षण के साथ-साथ, जरूरतमंदों के लिए समाज से समाज की ओर प्रकल्प, ए.सी. ताबूत सेवा, मोक्षवाहिनी सेवा आदि प्रकल्पों का संचालन किया जा रहा है।

2. **अपना घर हैल्पलाईन सेवा प्रकल्प आगरा :-**

इस हैल्पलाइन के अन्तर्गत प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र का संचालन तथा आमजनों को चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है।

3. **अपना घर मेडिकल हैल्पलाईन आर.बी.एम. हॉस्पिटल, भरतपुर :-**

इस मेडिकल हैल्पलाईन के माध्यम से भरतपुर स्थित आर.बी.एम. जिला हॉस्पिटल में स्वागत कक्ष पर आगन्तुक रोगियों का मार्गदर्शन तथा दुर्घटनाग्रस्त एवं लावारिस रोगियों की देखभाल एवं चिकित्सा व्यवस्था में सम्पूर्ण सहयोग किया जाता है।

सेवा में जुटे साथी

आश्रमों में प्रभुजी की आवासीय क्षमता एवं आवासरत प्रभुजन

संस्था की विचारधारा के अनुसार आवश्यक रूप से प्रत्येक पात्र प्रभुजी को प्रवेश दिया जाता है। इसी क्रम में प्रतिवर्ष प्रभुजी की संख्या में वृद्धि होती है उसी के अनुरूप आवश्यक निर्माण एवं संसाधन तैयार करना आवश्यक होता है। इस क्रम में कुछ नये आश्रम प्रारम्भ होते हैं तथा कुछ पर निर्माण कराकर उनकी आवासीय क्षमता में वृद्धि की जाती है ताकि प्रवेशित प्रभुजनों को आवास उपलब्ध कराया जा सके। वर्तमान में आश्रमों की आवासीय क्षमता एवं प्रभुजी की संख्या निम्नानुसार है :-

आश्रमों में प्रभुजी की आवासीय क्षमता
16000+

आश्रमों में प्रभुजी की संख्या
15500+

बाल - गोपाल
300+

महिला प्रभुजी
5300+

पुरुष प्रभुजी
10200+

अपना घर प्रभुप्रकल्प, भरतपुर

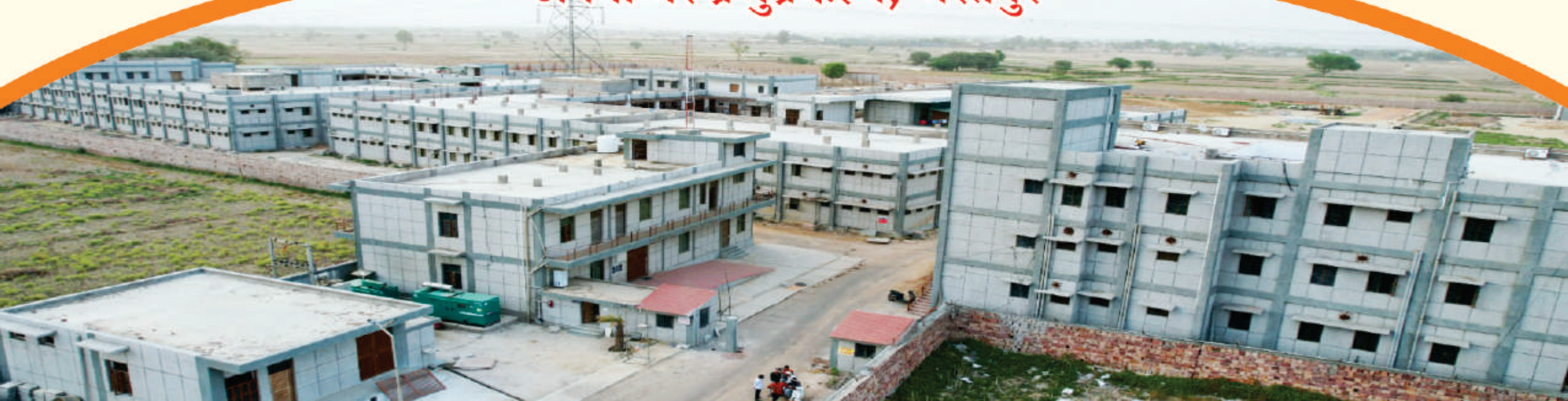

आश्रम में भर्ती से पूर्व बदहाल
अवस्था में प्रभुजी कूका।

आश्रम में उपचार के दौरान
प्रभुजी कूका।

बेसुध अवस्था में
प्रभुजी श्रीमती इन्दू।

स्वस्थ होने के उपरान्त
प्रभुजी श्रीमती इन्दू।

प्रभुजी की संख्या-धर्मानुसार

अपना घर आश्रम में सेवा की मूल भावना के अनुरूप प्रत्येक जरूरतमन्द को प्रवेश दिया जाता है। जिसमें बिना जाति, धर्म, लिंग, भेद के प्रत्येक प्रभुजी को समभाव के साथ सेवाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

हिन्दू	मुस्लिम	सिक्ख	जैन	ईसाई	बौद्ध
13500+	1300+	200+	50+	25+	10+

प्रभुजी सेवा में जुटे साथी

प्रभुजी प्रवेश, विदाई एवं ब्रह्मलीन

अपना घर आश्रम द्वारा केवल प्रभुजी को आश्रम में रखकर ही सेवा नहीं की जाती है बल्कि सेवा एवं उपचार के उपरान्त स्वस्थ होने पर उन्हें उनके परिवार एवं समाज की मुख्य धारा में लाने की प्रयास किया जाता है। कुछ प्रभुजी अधिक गम्भीर स्थिति में आते हैं तथा कुछ उम्र के अनुसार इस दुनियाँ से हमेशा-हमेशा के लिए विदा हो जाते हैं। भर्ती होने वाले कुछ प्रभुजी ऐसे होते हैं जिनका कोई परिवार नहीं होता अथवा जिन्हें परिवारिजन लेना नहीं चाहते हैं ऐसे प्रभुजन हमेशा-हमेशा के लिए अपना घर आश्रम में परिवार की तरह ताउम्र रहते हैं। प्रवेशित, पुनर्वासित एवं ब्रह्मलीन प्रभुजी का विवरण निम्नानुसार है :-

सभी आश्रमों में 65,000+ प्रभुजी प्रवेश आज तक

- **15500+** वर्तमान में सभी आश्रमों में कुल प्रभुजी
- **36000+** पुनर्वासित प्रभुजी
- **12500+** ब्रह्मलीन प्रभुजी

प्रतिमाह औसतन प्रभुजी

- **678** प्रवेश
- **357** पुनर्वास
- **131** ब्रह्मलीन
- **190** वृद्धि

आश्रमों की सेवाओं में प्रभुजनों की सहभागिता

आश्रमों में प्रभुजनों की सेवा के साथ-साथ उन्हें सक्षम तथा समाज के उपयोगी बनाने पर भी ध्यान दिया जाता है। जो प्रभुजन चिकित्सा एवं सेवा के उपरान्त स्वस्थ होने पर आश्रम में ही सेवा ले रहे होते हैं उन्हें उनकी शारीरिक, मानसिक, दक्षता एवं उनकी क्षमता के आधार पर सेवा कार्यों में लगाया जाता है जिससे एक तो उनके स्वास्थ्य में तीव्र गति से और अधिक सुधार होता है साथ ही आश्रम की सेवाओं में भी उनकी भागीदारी से आश्रमों का संचालन आसान हो जाता है। इससे उनके घर जाने की सम्भावनाएं भी ज्यादा होती है। इस हेतु आश्रमों में विशेष रूप से प्रशिक्षक भी लगाए हुए हैं। आश्रमों में सेवाकार्यों में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले प्रभुजनों का विवरण निम्न प्रकार है :-

कुल सहभागी प्रभुजी - 2109

सेवा कार्य	संख्या
साफ-सफाई	490
रसोई घर	248
कार्यालय	09
भण्डार	28
कपड़े धुलाई	311
गेट कीपर	38
अन्य	985

भण्डार गृह

भोजनालय

लौण्ड्री

समस्त आश्रमों में सेवासाथियों का विवरण

आश्रमों की सेवा व्यवस्थाओं का व्यवस्थित रूप से संचालन सेवासाथियों के माध्यम से ही सम्भव हो पाता है। प्रभुजनों की संख्या एवं व्यवस्था के अनुरूप प्रत्येक आश्रम में सेवासाथियों की नियुक्ति की जाती हैं। सभी आश्रमों में सेवासाथियों की वर्तमान संख्या 1458 है जिसमें अपना घर आश्रम भरतपुर में 53 श्रेणी के 509 सेवासाथी शामिल हैं। आश्रमों में सेवारत सेवासाथियों का विवरण निम्न प्रकार है :-

कुल संख्या - 1458

कार्यालय प्रभारी सेवासाथी **64**

कम्प्यूटर सेवासाथी **48**

सुपरवाईजर सेवासाथी **40**

स्टोर कीपर सेवासाथी **19**

मेडिकल सेवासाथी **126**

वाहन चालक सेवासाथी **73**

रसोई सेवासाथी **168**

केयर टेकर सेवासाथी **591**

गेटकीपर सेवासाथी**45**

सफाई सेवासाथी **112**

अन्य सेवासाथी **172**

प्रभुजी सेवा में जुटे साथी

आश्रमों में सेवाऐं दे रहे स्वयंसेवक एवं सदस्य

आश्रम संचालन व्यवस्था में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण आश्रमों में सेवाऐं दे रहे स्वयंसेवक एवं पदाधिकारी होते हैं जो कि संस्था की सेवा व्यवस्थाओं में अपने जीवन के महत्त्वपूर्ण पलों को देकर निःशुल्क सम्भालते ही नहीं बल्कि प्रभुजनों की तकलीफ को कम करने, समाज के संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग करने, विभिन्न स्तरों पर सेवा विस्तार के साथ आश्रम के समस्त प्रकार के प्रबन्धन को सम्भाल रहे होते हैं। इसके साथ-साथ समस्त श्रेणियों के सदस्य एवं समस्त प्रकार के सहयोगी जरूरत के अनुरूप निष्काम भाव से अपना घर की सेवाओं के लिए समर्पित रहते हैं। संस्था की सेवाओं से जुड़े हुए साथियों का विवरण निम्न प्रकार है :-

आश्रमों के सभी प्रकार के सदस्य	10000+
आश्रमों से जुड़े सेवाभावी	10 लाख से अधिक
आश्रमों में पिछले वर्ष में वस्तु एवं राशि के रूप में सहयोग करने वाले सदस्य	1.5 लाख से अधिक
समितियों में कुल सदस्य	4000 से अधिक
आश्रमों की प्रशासनिक सेवाओं में भागीदारी कर रहे स्वयंसेवक	250+
समितियों की प्रशासनिक सेवाऐं देख रहे स्वयंसेवक	150+
जीवन समर्पित स्वयंसेवक	12
आश्रमों में प्रभुजी को चिकित्सा दे रहे स्वयंसेवी चिकित्सक	113

संस्था का मॉनिटरिंग सिस्टम

संस्था की सेवा व्यवस्था में समस्त आश्रमों की मोनिटरिंग करना अति महत्त्वपूर्ण है। जिसके अन्तर्गत समस्त प्रकार जैसे आवासीय, मेडिकल, रेस्क्यू, भोजन व्यवस्था, भण्डार, रखरखाव, संसाधनों का उपयोग, निर्माण, प्रभुसेवा, मनोरंजन, कार्यालय प्रबन्धन, रिकार्ड संधारण, स्टाफ प्रबन्धन, विभिन्न प्रकल्प जैसे गौशाला, जीव सेवा, समितियाँ, हैल्पलाइन्स, सॉफ्टवेयर, वित्तीय प्रबन्धन आदि का व्यवस्थित तरीके से प्रबन्धन करने के लिए अनेकों प्रकार के फोर्मेट एवं सिस्टम बनाये गये हैं। जिनमें मोनिटरिंग हेतु मुख्य सैलों एवं टीमों का विवरण निम्न प्रकार है :-

1. वार्षिक सर्विस कलैण्डर :

इस वार्षिक सर्विस कलैण्डर में पूरे वर्ष के लिए 700 से अधिक कार्य प्रत्येक दिन के अनुसार निर्धारित होते हैं। सेवासाथियों को पहले से ही सेवा कलैण्डर के माध्यम से जानकारी रहती है कि उन्हे उस दिन क्या करना है कैसे करना है ? इससे कोई भी कार्य छूटता नहीं है तथा सेवासाथी भी सुविधा से निर्धारित कार्य कर लेते हैं। जिनमें टॉयलेट सफाई से लेकर दैनिक रिपोर्ट, मासिक रिपोर्ट, वाहन एवं संसाधनों का रखरखाव, समस्त प्रकार की साफ सफाई, यहाँ तक की किचिन के बर्तन एवं टॉयलेट के मग्गों तक की साफ-सफाई का प्रबन्धन इसी के माध्यम से होता है तथा इसकी दैनिक आधार पर मोनिटरिंग होती है।

2. दैनिक सेवा निरीक्षण प्रपत्र (सेवासाथी):

इस प्रपत्र में प्रभुजी की सेवा सम्बन्धी ऐसी समस्त रिपोर्टिंग होती हैं जिनके माध्यम से किस प्रभुजी को चिकित्सक को नहीं दिखाया गया, किन प्रभुजी ने खाना नहीं खाया, किनका स्नान, कटिंग नहीं हुई, किस बैड पर तकिया या बैडशीट नहीं है, कहाँ दुर्गंध आ रही है, जिस प्रभुजी ने खाना नहीं खाया तो उन्हें क्या दिया गया ? यहाँ तक कि भोजन की गुणवत्ता कैसी थी यह भी रिपोर्ट में शामिल होता है।

3. दैनिक सेवा निरीक्षण प्रपत्र (प्रभुजी) :-

संस्था का मानना है कि श्रेष्ठतम फीडबैक एवं सुझाव वह दे सकते हैं जो कि सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इसलिए संस्था द्वारा प्रभुजनों की कमेटियाँ बनायी गयी हैं साथ ही उनकी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक फीडबैक प्रपत्र भी बनाया गया है जिसके माध्यम से वे प्रतिदिन इस फीडबैक प्रपत्र में रिपोर्ट करते हैं। जिसमें विशेष रूप से प्रभुजनों की खुशियाँ, चिकित्सा, भोजन, आवास, मनोरंजन, उनकी व्यक्तिगत जरूरतें एवं सुझावों को उल्लेखित कर रिपोर्ट आवश्यक कार्यवाही हेतु कार्यालय में प्रस्तुत की जाती है। इससे प्रभुजनों का आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान बढ़ने के साथ-साथ व्यवस्थाओं में भी सुधार हुआ है।

4. सॉफ्टवेयर सैल मॉनिटरिंग :

समस्त आश्रमों के वित्तिय लेखों के संधारण एवं उनकी जाँच एवं निर्धारित वित्तीय नियमों के अन्तर्गत प्राप्तियों एवं व्यय की मोनिटरिंग इस सैल के माध्यम से होती है। साथ ही प्रभुजी के प्रवेश, विदाई, स्थानान्तरण एवं ब्रह्मलीन से सम्बन्धित समस्त रिकार्ड संधारण एवं मोनिटरिंग, मेडिकल से सम्बन्धित रिकार्ड संधारण एवं मोनिटरिंग इस सॉफ्टवेयर सैल के माध्यम से की जाती है। इसके अलावा संस्था की मोनिटरिंग सम्बन्धी जो भी सोचा जा सकता है उसको संस्था के सॉफ्टवेयर के माध्यम से संचालित करने पर निरन्तर कार्य जारी है।

5. मुख्यालय सेवा सैल मॉनिटरिंग :

मुख्यालय की इस सैल के माध्यम से समस्त आश्रमों की सेवा सम्बन्धी मोनिटरिंग की जाती है जिससे सेवा प्रभावित न हो तथा जहाँ भी सेवा प्रभावित होती है वहाँ सेवा के स्तर को सुधारने हेतु आवश्यक सहयोग उपलब्ध करा दिया जाता है।

6. सेवा प्रमोशन टीम :

आश्रमों में प्रभुजी की सेवाओं की प्रभावी निगरानी हेतु समन्वयकों के स्थान पर इस वर्ष सेवा प्रमोशन टीम का गठन किया गया।इस दल में तीन सदस्य होते हैं जो सामान्यतः प्रभुजी की सेवाओं से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े पदाधिकारी होते हैं।यह तीन सदस्यीय दल एक समय में चार से पाँच आश्रमों का दौरा करता है।दल के पास आश्रम जाने के लिए एक वाहन होता है और उन्हें सेवाओं का अवलोकन करने तथा एक निश्चित प्रारूप में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त समय देना होता है।इस सेवा प्रमोशन टीम के परिणाम न केवल सेवाओं की निगरानी में, बल्कि आश्रम में सेवाओं के स्तर को बनाए रखने के लिए समय-समय पर जारी मुख्यालय के दिशानिर्देशों के क्रियान्वयन में भी अत्यंत प्रभावी पाए गए हैं।

7. सेवा अपडेशन टीम :

मुख्यालय की सेवा अपडेशन टीम द्वारा प्रत्येक आश्रम का तीन माह के अन्तराल पर निरीक्षण एवं सेवा के स्तर को संस्था द्वारा निर्धारित मापदण्ड तक लाया जाता है। इस टीम में 4 सदस्य होते हैं जिनमें सफाई, ऑफिस, सेवा एवं मेडिकल से सम्बन्धित प्रभारी होते हैं जो निरीक्षण के दौरान पाई गयी कमियों को सही कराकर आते हैं।

8. आश्रम कार्यकारिणी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी :

आश्रम कार्यकारिणी आश्रमों की समस्त संचालन सम्बन्धी व्यवस्थाओं को देखती है जबकि राष्ट्रीय कार्यकारिणी समस्त आश्रमों हेतु नीति निर्धारण, सेवाओं की समीक्षा, आश्रम विस्तार तथा समस्त नियम एवं निर्देशिकाओं का निर्धारण करती है।

आश्रमों में प्रभु सेवा में लगी एम्बुलेन्स एवं अन्य वाहन

अपना घर आश्रम की व्यवस्थाओं के संचालन में एम्बुलेंस एवं सम्बन्धित वाहनों का अत्यधिक महत्व है जिनके माध्यम से रेस्क्यू, मेडिकल सर्विस, सामान्य परिवहन, ऑफिस आदि का कार्य सेवा के अनुरूप सुगमता से हो पाता है। संस्था के पास सभी आश्रमों में 234 वाहन हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

संस्था की सेवाओं से जुड़ने हेतु प्रकल्पों का विवरण

संस्था की सेवाओं में भागीदारी करने के लिए सेवाभावी नागरिकों के लिए विभिन्न प्रकल्प संचालित हैं। जिनमें सेवाभावी नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार सहभागिता करते हैं तथा अपनी रूचि के आधार पर जुड़ जाते हैं। संस्था की सेवाओं से जुड़ने के लिए संचालित मुख्य प्रकल्प निम्न प्रकार हैं :-

- संस्था एवं आश्रम की सेवाओं एवं विचारधारा से सीधे जुड़कर।
- भोजन सेवा, वस्त्र सेवा, दवाई सेवा आदि प्रकल्पों में भागीदारी कर।
- आश्रम, समिति एवं हैल्पलाईन के विस्तार में भागीदारी कर।
- अपने क्षेत्र विशेष में जरूरत के अनुरूप सेवाओं में भागीदारी कर।
- आश्रम एवं समिति स्तर पर सदस्यता लेकर।
- आश्रम में स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान कर।
- प्रभुजी के रेस्क्यू में भागीदारी कर।

अपना घर सेवा समितियाँ एवं हैल्पलाईन्स

कुल समिति – 38 **हैल्पलाईन्स – 57**

1. अपना घर सेवा समितियाँ :-

अपना घर की विचारधारा के क्रम में कोई भी आश्रयहीन असहाय बीमार सेवा एवं संसाधनों के अभाव में दम न तोड़े एवं उन तक यथासमय पहुँचा जा सके, इस उद्देश्य के साथ अपना घर सेवा समितियों का गठन किया गया। इसके लिए जहाँ कम से कम 21 सदस्य मिलते हैं वहाँ समिति का गठन कर दिया जाता है। इनका प्रमुख प्रकल्प उस क्षेत्र में मिलने वाले हर प्रभुजी को सम्बन्धित आश्रम तक पहुँचाना तथा स्थानीय स्तर पर आश्रम एवं समाज के उपयोगी विभिन्न प्रकल्पों का संचालन करना है। समितियों के अन्य प्रकल्प निम्न प्रकार है :-

01

तीर्थ यात्रा

02
मासिक सदस्यता

03
अन्नदान प्रकल्प

04
पौधारोपड़

05
रक्तदान

06
कम्बल सेवा

07
निर्धन परिवार बालिका विवाह सेवा

08 अन्तिम संस्कार सेवा (लावारिस लोगों के लिये)

09

चिकित्सालयों में जरूरतमन्द रोगियों की सेवा

10
वस्त्र सेवा

11
मैडीकल कैम्प आयोजन

12
जल मन्दिर प्रकल्प

13
पाठ्य सामग्री एवं ड्रैस (निर्धन बच्चों को वितरण)

14 स्थानीय प्रकल्प (स्वैच्छिक, स्थाई एवं अस्थाई)

15
प्राकृतिक आपदा (दुर्घटना, आगजनी, बाढ़, भूकम्प आदि)

16
मोक्षधाम सेवा प्रकल्प

17
प्राणी सेवा प्रकल्प

18
एम्बुलेंस सेवा

2. अपना घर प्रभुजी रेस्क्यू हैल्पलाईन :-

जिस क्षेत्र में ऐसे सेवाभावी मिलते हैं जो अकेले ही अपने स्तर पर प्रभुजी को आश्रम तक भिजवानें की जिम्मेदारी ले लेतें हैं वहाँ हैल्पलाईन का गठन कर दिया जाता है।

अपना घर आश्रम भरतपुर का विवरण

अपना घर आश्रम भरतपुर 6700+ प्रभुजी एवम् 1700+ गौवंश, अन्य पशु एवम् पक्षियों की आवासीय क्षमता से युक्त लगभग 40 एकड़ से अधिक में फैला हुआ है तथा विश्व की अपनी श्रेणी की विशालतम सेवा स्थली का रूप ले चुका है। जिसमें प्रभुजन, गौ-माता एवं अन्य जीवों के लिए अलग-अलग आवासीय व्यवस्थाएं स्थापित की गई हैं। आवासीय सदनों एवं प्रभुजी की संख्या का विवरण निम्न प्रकार है। जिसमें 26 आवासीय सदनों की व्यवस्था पुरुष एवं महिला प्रभुजी के लिए अलग-अलग उपलब्ध है।

भरतपुर आश्रम के आवासीय सदन एवं उनमें प्रभुजी की संख्या

30.09.2025

क्र.सं	संचालित आवासीय सदन	प्रभुजी की संख्या	क्र.सं	संचालित आवासीय सदन	प्रभुजी की संख्या
1.	मानसिक अस्वस्थ सदन	3278	14.	थायरोकेयर होम	35
2.	मन्दबुद्धि सदन	482	15.	कुपोषित सदन	42
3.	एड्स रोगी सदन	157	16.	मल्टीडिसिज सदन	120
4.	टी.बी. सदन	94	17.	डिमेंसिया सदन	129
5.	श्वांस रोग सदन	55	18.	ओबेसिटी होम	13
6.	हेपेटाइटिस सदन	210	19.	शिशु सदन	103
7.	दृष्टिहीन सदन	35	20.	बालक सदन	64
8.	पैरालाईसिस सदन	130	21.	बालिका सदन	70
9.	अंगविहीन सदन	74	22.	हॉस्पिस होम	59
10.	मूक बधिर सदन	84	23.	वॉलेंटियर प्रभुजी होम	97
11.	एपिलैप्सी सदन	218	24.	सीनियर सिटीजन होम	637
12.	हृदय रोग सदन	206	25.	मदर्स होम	204
13.	डायबिटीज सदन	69	26.	जख्मी सदन	51
				कुल योग	6716

जीव सेवा एवं गौशाला

अपना घर लोहागढ़ गौशाला

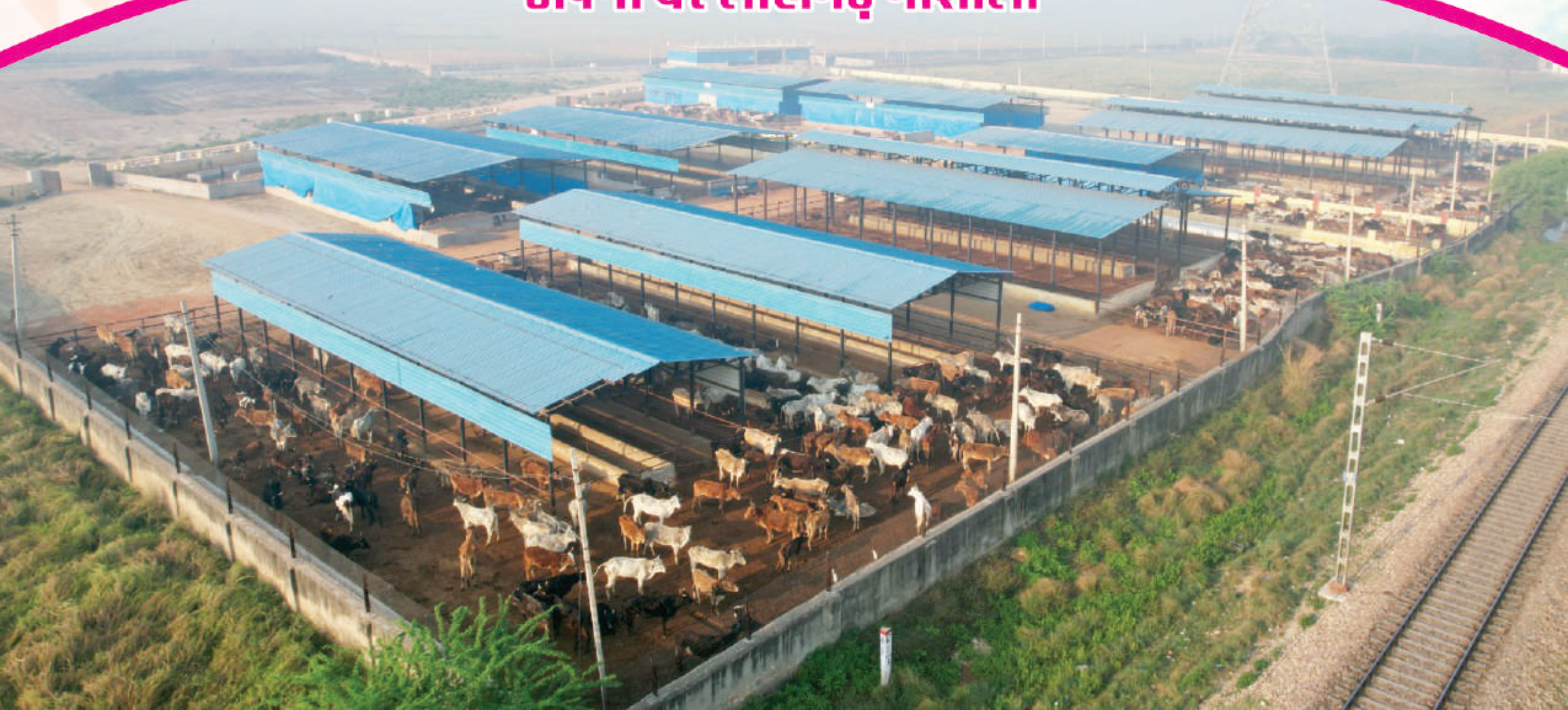

गौशाला एवं जीव सेवा सदन में आवासरत जीवों का विवरण

पीड़ित मानव सेवा के साथ-साथ संस्था द्वारा समस्त जीवों की सेवा की जाती है। जिसके लिए संस्था प्रांगण में जीव सेवा सदन संचालित है जिसमें दुर्घटनाग्रस्त गौमाता एवं अन्य जीव सेवाएं प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त एक गौशाला का भी संचालन संस्था द्वारा किया जा रहा है जिसमें 1770 से अधिक गौमाताएं है। जीव सेवा सदन एवं गौशाला में सेवा पा रहे जीवों का विवरण निम्न प्रकार है :-

गौशाला एवं जीव सेवा सदन में कुल संख्या - 1770

नन्दी	438
गौमाता	539
बछड़ा	215
बछिया	293
नवजात बछड़ा	27
नवजात बछिया	30
कुपोषित	81
गर्भस्थ	54
दुधारू	65
दृष्टिहीन	02
घायल गौमाता	16
श्वान	04
बन्दर	04
मोर	02

आश्रम की मेडिकल व्यवस्थाएं

जैसा की विदित है कि अपना घर आश्रमों में प्रभुजन अति गम्भीर बीमार एवं विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हालत में रेस्क्यू कर लाए जाते हैं। उनकी चिकित्सा के लिए आश्रम में संस्था के स्वयं के हॉस्पिटल के साथ-साथ राजकीय एवं प्राईवेट हॉस्पिटल में भी जरूरत के अनुरूप ईलाज कराया जाता है। इसी प्रकार जो जाँच संस्था के डायग्नोस्टिक सेन्टर में नहीं हो पाती हैं उन्हें प्राईवेट डायग्नोस्टिक सेन्टरों पर कराया जाता है। वर्तमान में आश्रम की मैडिकल व्यवस्थाओं का विवरण निम्न प्रकार है :-

अपना घर लीलावती हॉस्पिटल :-
संस्था का स्वयं का 30 बैड का हॉस्पिटल है।

ऑपरेशन थियेटर :-
हॉस्पिटल के इस ऑपरेशन थियेटर में जनरल, गायनिक एवं ऑर्थोपेडिक सर्जरी सामान्यतया हो जाती है।

डेन्टल यूनिट :-
हॉस्पिटल में डेन्टल चिकित्सा के लिए डेन्टल यूनिट की अलग से व्यवस्था है।

डायग्नोस्टिक सेन्टर :-
आश्रम कैम्पस में सामान्य जाँचों के लिए डायग्नोस्टिक सेन्टर एवं एक्स-रे मशीन की व्यवस्था है।

मेडिकल स्टोर :-
यह मेडिकल स्टोर आश्रम में प्रभुजी के लिए दवा की व्यवस्था के लिए है।

प्रभु अभिषेक भवन :-
प्रभु अभिषेक सदन में रेस्क्यू किये गये प्रभजी को रोग निदान होने तक रखा जाता है तथा रोग के निदान के उपरान्त सम्बन्धित वार्ड में भेज दिया जाता है।

राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र :-
आश्रम परिसर में सामान्य बीमारियों की चिकित्सा हेतु राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है।

राजकीय पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र :-
अन्य जीवों की चिकित्सा के लिए आश्रम परिसर में राजकीय पशु उप स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित है।

प्रभुजी पुनर्वास एवं प्रशिक्षण व्यवस्था

1. **सिलाई सेन्टर :-**
अपना घर आश्रम में दो सिलाई सेन्टर संचालित हैं जिनमें प्रभुजी के प्रशिक्षण के साथ-साथ सभी आश्रमों की औसतन 60000 यूनिफोर्म प्रतिवर्ष सिलाई की जाती हैं।

2. **अगरबत्ती कुटिर उद्योग :-**
आश्रम में अगरबत्ती बनाने की मशीन स्थापित है। जिससे 30 से 40 प्रभुजी प्रशिक्षण लेने के साथ-साथ 4 प्रकार की सुगन्धित अगरबत्ती आमजनों के लिए तैयार करते हैं।

3. **दोना-पत्तल कुटीर उद्योग :-**
आश्रम की आपूर्ति हेतु इस कुटिर उद्योग में दोना-पत्तल तैयार किये जाते हैं। भविष्य में इसका उपयोग बाल-गोपालों के रोजगार के लिए किया जाएगा।

4. **हवाई चप्पल उद्योग :-**
इस उद्योग के अन्तर्गत आश्रम एवं आमजनों की जरुरत हेतु हवाई चप्पलों को तैयार किया जाता है। इसको भी बाल-गोपालों के स्वरोजगार हेतु विकसित किया गया है।

5. **राखी उद्योग :-**
प्रभुजी के पुनर्वास को लक्षित करते हुए इस उद्योग को प्रारम्भ किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में प्रभुजनों एवं बच्चों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

अपना घर विद्यालय की झलकियाँ

आश्रम में शिक्षण - प्रशिक्षण सम्बन्धी प्रकल्प

अपना घर आश्रम परिसर में बाल-गोपालों के लिए उच्च प्राथमिक विद्यालय के साथ-साथ सेवासाथियों एवं प्रभुजनों के लिए उनकी जरूरत के अनुरूप शिक्षण-प्रशिक्षण की व्यवस्था है। जिससे उनके जीवन को उददेश्यपूर्ण बनाया जा सके। जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

1. अपना घर उच्च प्राथमिक विद्यालय :-

अपना घर के इस डे-बोर्डिंग विद्यालय में आश्रम के बाल-गोपालों के साथ-साथ सेवासाथियों के बाल-गोपालों की भी पढ़ाई की समुचित व्यवस्था है। विद्यालय में कक्षा-कक्षों के साथ-साथ कम्प्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास, छोटी कक्षाओं के बाल-गोपालों के लिए बैडिंग व्यवस्था, खेल मैदान, खेल उपकरण, लाईब्रेरी, प्रोग्राम हॉल, पैन्टरी, डायनिंग हॉल आदि की व्यवस्था है।

2. अपना घर सेवासाथी प्रशिक्षण केन्द्र :-

अपना घर आश्रम में 56 श्रेणी के सेवासाथी अपनी सेवाऐं उपलब्ध कराते हैं। सभी श्रेणियों के सेवासाथियों के लिए प्रशिक्षण देने के लिए इस 150 प्रशिक्षणार्थियों की सिटिंग क्षमता के सेवासाथी प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था उपलब्ध है।

प्रभुजी की खुशियों के प्रकल्प

1. **प्रभुजी कैफेटेरिया :-**

माह में दो बार प्रभुजी को स्वरूचि व्यंजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य के साथ कैफेटेरिया विकसित किया गया है।

2. **प्रभुजी शॉपिंग सेन्टर :-**

विशेष रूप से माता-बहन प्रभुजनों के लिए व्यक्तिगत साज-सज्जा से सम्बन्धित सभी आईटम्स शॉपिंग सेन्टर में उपलब्ध हैं। प्रत्येक दो माह में एक बार माता-बहनें कोई भी पाँच आईटम अपनी इच्छा के अनुसार शॉपिंग सेन्टर से प्राप्त कर सकती हैं।

3. **प्रभुजी थियेटर :-**

आश्रम परिसर में 186 सीटर सिनेमा हॉल प्रभुजनों के मनोरंजन एवं उनकी इच्छानुसार धार्मिक अथवा मनोरंजक फिल्म देखने हेतु विकसित कराया गया है। इसमें एक शो रोजाना चलता है तथा प्रभुजन माह में एक बार इसमें बडे पर्दे पर पिक्चर का आनन्द लेते हैं।

4. **स्प्रीचुअल पार्क :-**

प्रभुजी अपने धर्म के अनुसार पूजा, प्रार्थना, अरदास, इबादत निर्बाध रूप से कर सकें, इस हेतु यह 1000 प्रभुजी की बैठने की क्षमता का स्प्रीचुअल पार्क विकसित किया गया है।

अपना घर के सेवा सम्बन्धी अन्य प्रकल्प

1. **महनसरिया प्रसादालय :-**
आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित यह प्रसादालय (किचिन) 23000 वर्गफुट क्षेत्रफल में बना हुआ है। इसमें प्रतिदिन 1 लाख लोगों का खाना बन सकता है।

2. **माँ अन्नपूर्णा प्रसादालय :-**
माँ अन्नपूर्णा प्रसादालय (डायनिंग) 3400 वर्गफुट क्षेत्रफल में बना हुआ है। इसका उपयोग विभिन्न कार्यक्रमों एवं तीर्थ यात्रियों की भोजन प्रसादी के लिए नियमित किया जाता है।

3. **मीटिंग हॉल :-**
इस मीटिंग हॉल की क्षमता 300 कुर्सियों की है। इसमें वर्तमान में औसतन 10 मीटिंग प्रतिमाह आयोजित होती हैं।

4. **गेस्ट हाउस :-**
इस गेस्ट की क्षमता 40 बैड की है। जिसमें देश और दुनिया से जो सेवाभावी आते हैं उनके ठहरने की समुचित व्यवस्था है।

5. **वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम :-**
इस वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम की क्षमता 1.40 करोड़ लीटर पानी की है। इसमें सम्पूर्ण कैम्पस के बरसात के पानी को नेचुरल फिल्टर के उपरान्त पीने के लिए एकत्रित कर उपयोग लिया जाता है।

6. **पुष्पांजली कार्यक्रम शेड :-**

आश्रम में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए यह 12,000 वर्गफुट क्षेत्रफल में निर्मित शेड है। जिसमें 1500 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था एक साथ की जा सकती है।

7. **केन्द्रीयकृत भण्डारगृह :-**

किचिन के भूतल में नॉन फायर जोन में 10000 वर्गफुट क्षेत्रफल में यह भण्डारगृह निर्मित है। जिसमें केन्द्रीय भण्डारगृह की सम्पूर्ण व्यवस्थाएं संचालित हैं।

8. **फ्लोर मिल :-**

प्रभुजनों के लिए प्रतिदिन लगभग 15 कुन्टल आटे की जरूरत होती है। जो इस फ्लोर मिल के माध्यम से शुद्ध एवं सस्ता तैयार कराया जाता है।

9. **सेवासाथी आवास :-**

आश्रम में सेवारत ऐसे सेवासाथी जो आश्रम में ही रहते हैं उनकी आवासीय व्यवस्था के 50 बैड क्षमता के महिला एवं पुरुषों के लिए अलग-अलग आवासों की व्यवस्था है।

10. **स्वयंसेवक आवास :-**

आश्रम में जो स्वयंसेवक अपनी सेवाऐं उपलब्ध कराते हैं उनके लिए 20 बैड क्षमता के स्वयंसेवक आवास की व्यवस्था है।

विचारधारा का अंगीकरण

अपना घर आश्रम की इस विचारधारा को समाज में रह रहे सेवाभावी लोगों द्वारा तीव्र गति से स्वीकार किया गया है तथा स्वीकार करने के साथ-साथ उसे आचरण में लाया जा रहा है। इसी क्रम में समान विचारधारा वाले सेवाभावी नागरिकों द्वारा संस्था के मार्गदर्शन में विभिन्न राज्यों में 23 आश्रमों का संचालन किया जा रहा है। यह एक सुखद संकेत है कि समाज के सेवाभावियों द्वारा इस विचारधारा को न केवल स्वीकार किया जा रहा है बल्कि अपने स्तर पर आश्रमों का संचालन कर इसे अंगीकार भी किया जा रहा है :-

जोधपुर (राज.)

वृद्धाश्रम बीकानेर (राज.)

शामली (उ.प्र.)

शिवपुरी (म.प्र.)

गोवर्धन मथुरा (उ.प्र.)

फिरोजाबाद (उ.प्र.)

पाली (राज.)

डबरा (म.प्र.)

शुक्रताल (उ.प्र.)

वाराणसी (उ.प्र.)

भक्तपुर (नेपाल)

रायगढ़ (छत्तीसगढ़)

कुचामनसिटी (राज.)

कटक (उड़ीसा)

पिलखुवा (उ.प्र.)

पूना (महाराष्ट्र) महिला

पूना (महाराष्ट्र) पुरूष

वृद्धाश्रम विजयनगर,अजमेर

पंजाब खोर (दिल्ली)

बसई (मुम्बई)

रूड़की (उत्तराखण्ड)

अमीनगर सराय

मुम्बई (महाराष्ट्र)

अपना घर की तीर्थयात्रा

अपना घर की सेवाओं की स्वीकारोक्ति भौतिक आधार के साथ-साथ आध्यात्मिक आधार पर भी समाज में उसी हिसाब से बढ़ी है। जहाँ सेवाभावी लोगों द्वारा सेवा को अंगीकार किया है वहीं समाज के धार्मिक लोगों ने बड़े विलक्षण तरीके से आध्यात्मिक एवं धार्मिक आधार पर अपना घर की सेवाओं को स्वीकार किया है। इसी का परिणाम है कि देश के विभिन्न भागों से वर्षभर में सैंकड़ों सेवाभावी लोग अपना घर आश्रम भरतपुर में बसों एवं व्यक्तिगत गाड़ियों पर तीर्थ यात्रा के बैनर लगा कर आते हैं तथा मथुरा-वृन्दावन में भी जो लोग धार्मिक यात्रा पर जाते हैं वे अपना घर को भी इस धार्मिक यात्रा में शामिल करते हैं तथा अपनी श्रद्धा के अनुसार जिस तरह मन्दिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारों में चढ़ावा चढ़ाते हैं उसी प्रकार अपना घर में प्रभुजनों के लिए राशि एवं वस्तु भेंट करते हैं :-

सेवाओं के प्रमुख सहभागी

संस्था को लगभग प्रारम्भ से सींचने वाले प्रमुख सहयोगी

- श्री सत्यनारायण बेरीवाल जी, मुम्बई
- श्री सुभाष जी गुप्ता , मुम्बई
- श्री रामस्वरूप जी अग्रवाल, मुम्बई
- श्री अशोक जी महनसरिया, मुम्बई
- श्री मोहनलाल अग्रवाल जी , आगरा
- भोले बाबा मिल्क प्रोडक्ट धौलपुर/आगरा
- मैं. आशीष मसाले, आगरा
- पुष्पांजली ग्रुप, आगरा
- अपना घर सेवा समितियाँ

संस्था के पिछले पाँच साल के प्रमुख सहयोगी

- श्री नन्द जी तोदी, तोदी फाउण्डेशन, यूएसए
- नॉल फार्मा, दिल्ली
- ओजोन फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली
- प्रिमियर चैरिटी, यूएसए
- श्री भरत भाई भक्त जी, यूएसए
- श्री बी. एम. कक्कर जी, दिल्ली
- कोटक महेन्द्रा बैंक
- यूकेबी दिल्ली
- अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन, बैंगलोर
- फिनीक्स मिल्स लिमिटेड, मुम्बई
- स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
- श्री नरेन्द्र जी पोपट, यूएसए
- गेल इण्डिया लिमिटेड
- श्री गोपाल सुल्तानिया जी, रायपुर
- राजस्थान सरकार
- पूज्य स्वामी जुगल किशोर जी महाराज गोवर्धन
- डॉ. मनीषा बाधवा एवं श्री संजय बाधवा, यूएसए

आश्रम के विभिन्न भवन

नन्द भवन

शशि भवन

महनसरिया सदन – प्रथम

महनसरिया सदन – द्वितीय

बालगृह एवं पुष्पांजलि सदन

मातृ सदन – प्रथम

पिछले 5 साल की संस्था की प्रगति का विवरण

No. of Ashrams During last 5 Years

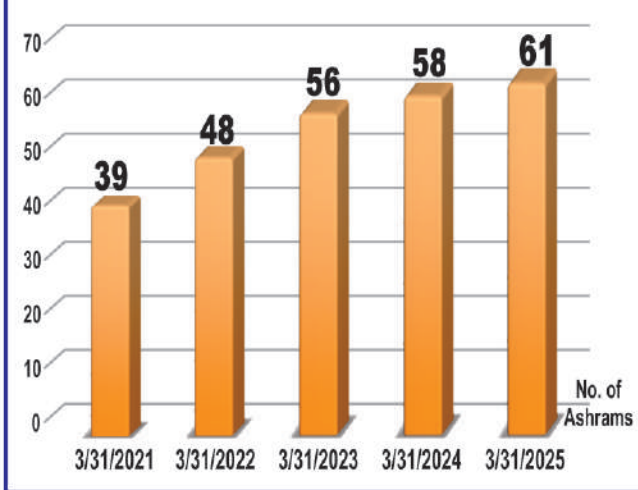

No. of Staff in all Ashrams

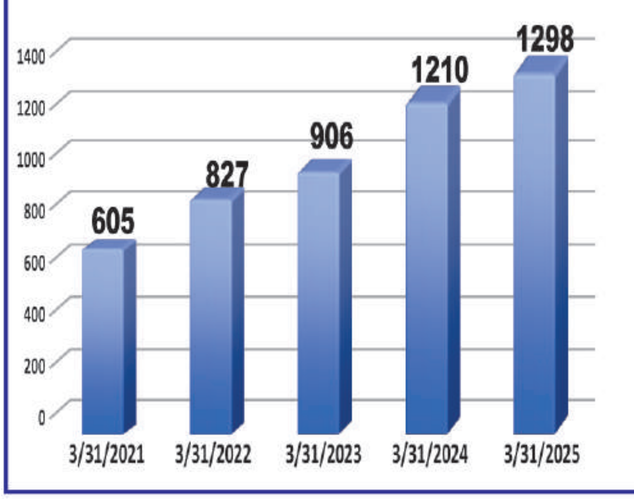

Admission / Rehabilitated / Expired Prabhuji during last 5 years

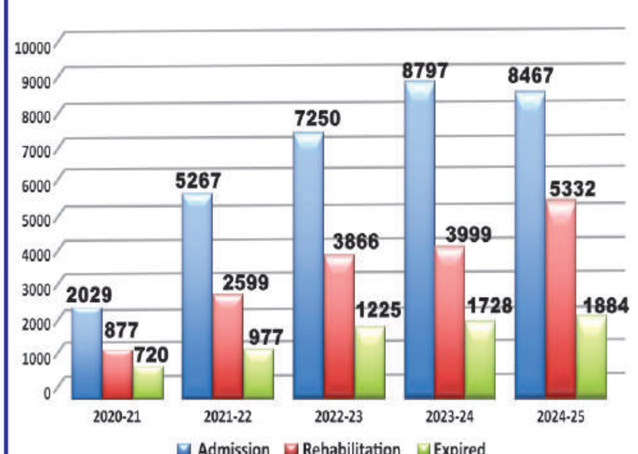

No. of Prabhuji in all Ashrams & Bharatpur Ashram during last 5 Years as on 31st March of the Year

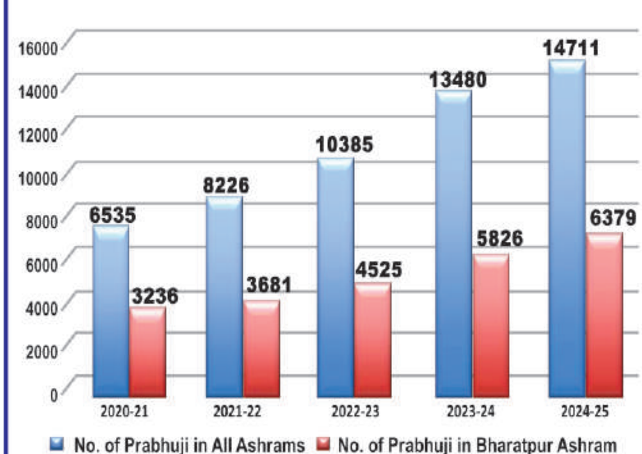

Running Expenditure of the organization and of Bharatpur Ashram During Last 5 Years (In Crore)

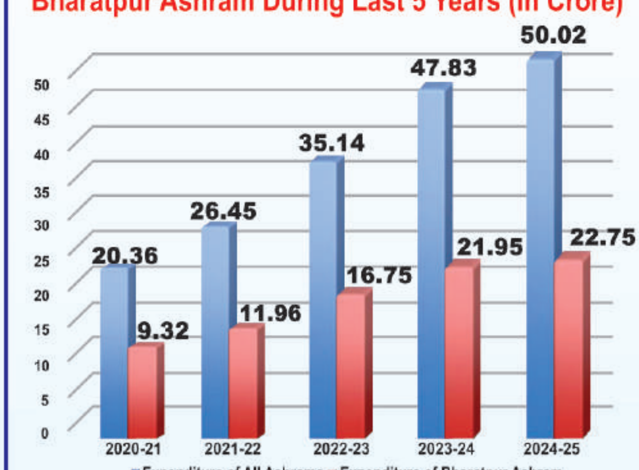

Expenditure of the Organization and of Bharatpur Ashram During Last 5 Years (In Crore)

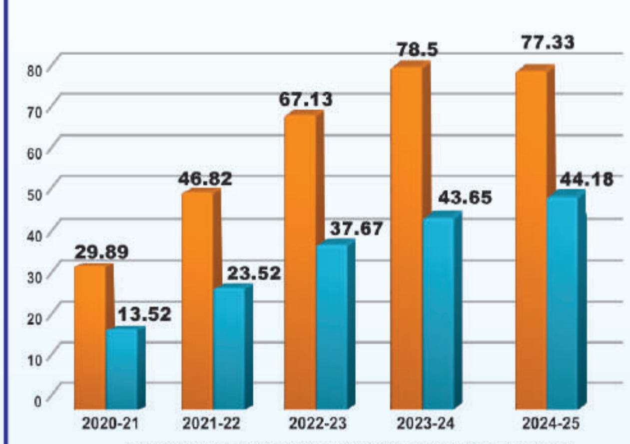

संस्था के आश्रमों की श्रृंखला :–

संस्था द्वारा संचालित आश्रम

क्र.सं.	शहरों के नाम	मोबाईल नं.
1	भरतपुर (राज.)	8764396811
2	अजमेर (राज.)	8764396814
3	कोटा (राज.)	8764396812
4	अलवर (राज.)	8764396820
5	पूंठखुर्द, दिल्ली	9582057841
6	बीकानेर (राज.)	8764396813
7	कोकिलावन (उ.प्र.)	9536991797
8	बुढ़पुर, दिल्ली	9667411201
9	श्रीगंगानगर (राज.)	8764396816
10	कोटड़ा अजमेर (राज.)	7665430215
11	नोखा (राज.)	8764396818
12	हिण्डौन (राज.)	9460230010
13	बस्सी, जयपुर (राज.)	7412061034
14	हाथरस (उ.प्र.)	8171605045
15	पुरुलिया (पश्चिम बंगाल)	7872245835
16	मेरठ (उ.प्र.)	9068635958
17	भिवानी (हरियाणा)	8764396819
18	उमता– प्रथम (गुजरात)	9327986686
19	भोपाल (म.प्र.)	7489125480
20	जयपुर (राज.)	7412061036
21	महिला आश्रम अलवर (राज.)	7737649912
22	वृद्धाश्रम जामडोली (राज.)	9414040388
23	वडोदरा (गुजरात)	7412061035
24	उदयपुर (राज.)	7412061028
25	गांधीधाम (गुजरात)	7300491051
26	पुष्कर (राज.)	8209666066
27	बाड़ी (राज.)	8949838684
28	वृन्दावन (उ.प्र.)	8949004282
29	लखनऊ (उ.प्र.)	7976766620
30	नोएडा (उ.प्र.)	7976797180
31	कानपुर (उ.प्र.)	9511374534
32	नीमकाथाना (राज.)	8233778921
33	रायपुर (छत्तीसगढ़)	8517808888
34	रतलाम (म. प्र.)	6266600568
35	विदिशा (म. प्र.)	9425081099
36	सोरोंजी (उ. प्र.)	9216480619
37	फरीदकोट (पंजाब)	8699900854
38	अलवर (चिकानी) राज.	9414639825
39	विरमगाम अहमदाबाद (गुजरात)	9023056474
40	कैलादेवी, करौली (राज.)	8690383961
41	उमता द्वितीय (गुजरात)	8007380060
42	सुखधाम मेरठ (उ.प्र.)	7817005155
43	आगरा महिला आश्रम (उ.प्र.)	

संस्था के संबद्ध आश्रम

क्र.सं.	शहरों के नाम	मोबाईल नं.
44	जोधपुर (राज.)	8764396815
45	वृद्धाश्रम बीकानेर (राज.)	8094019298
46	शामली (उ.प्र.)	9557768160
47	पाली (राज.)	8764396817
48	शिवपुरी (म.प्र.)	6260240600
49	गोवर्धन, मथुरा (उ.प्र.)	7310764595
50	फिरोजाबाद (उ.प्र.)	9756719999
51	डबरा (म.प्र.)	9826211104
52	शुक्रताल (उ.प्र.)	9758111320
53	वाराणसी (उ.प्र.)	7521060002
54	भक्तपुर (नेपाल)	9779851072046
55	रायगढ़ (छत्तीसगढ़)	9009022001
56	कुचामन सिटी (राज.)	9314440570
57	कटक (उड़ीसा)	8118058614
58	पिलखुवा (उ.प्र.)	9837093454
59	पुणे (महाराष्ट्र) पुरुष आश्रम	7755961619
60	पुणे (महाराष्ट्र) महिला आश्रम	7498550554
61	वृद्धाश्रम विजयनगर अजमेर	9717778755
62	पंजाब खोर (दिल्ली)	9810124521
63	बसई (मुम्बई)	8655866312
64	रुड़की (उत्तराखण्ड)	9927099003
65	अमीनगर सराय	9520448857
66	महिला आश्रम, मुम्बई	8655349942
67	पुरुष आश्रम, आगरा	9758557120

संस्था के प्रस्तावित आश्रम

1	मेंहदीपुर बालाजी (राज.) निर्माणाधीन	
2	जोधपुर–द्वितीय (राज.) निर्माणाधीन	
3	अम्बाला (हरियाणा) निर्माणाधीन	
4	गन्नौर (हरियाणा) निर्माणाधीन	
5	गोवर्धन (उ.प्र.) निर्माणाधीन	
6	रतनगढ़ (राज.) निर्माणाधीन	
7	महसाना (गुजरात) निर्माणाधीन	

संस्था द्वारा संचालित अन्य प्रकल्प

1	अपना घर हैल्पलाइन, भरतपुर	9219511702
2	प्रधानमंत्री जन औषधी केन्द्र, आगरा	7412061031
3	अपना घर लोहागढ़ गौशाला, भरतपुर	
4	अपना घर उच्च प्राथमिक विद्यालय, भरतपुर	

Organisation's Bank Account Details

Account Name - Apna Ghar Ashram Bharatpur
Bank Name - PNB Bachhamadi
IFSC Code - PUNB0261900
Bank Account No. - 2619000100034136

BANSAL # 9694885455

माँ माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर संस्था

बझेरा, भरतपुर– 321001, राजस्थान (भारत)
सम्पर्क : 8764396811, 9660149394, 8599999911 / 22
E-mail : hq@apnagharashram.org | Fb : Apna Ghar Bharatpur | Website : apnagharashram.org